



REET 2025 LEVEL-1&2



वंदन बैच

संस्कृत

प्रत्याहार परिचय



LIVE

02-01-2025 03:00 PM

इक् = इ, उ, ऋ, ए
 एच = ए, ओ, ऐ, औ

माहेश्वर सूत्र

इत् संज्ञक

अच (स्तर)

हिल् (व्यंजन)

- 1) अइउण
- 2) ऋलृक
- 3) ऐऔः
- 4) एओ
- 5) ह्यवर
- 6) लण
- 7) अमऽणनम्

इत्
 ल + अ + ण

- 8) क्षभभ
- 9) व्यढ्यप
- 10) जवगडकश
- 11) खफढठचचरतण
- 12) कपभ
- 13) शपभ
- 14) हल्

२० = २३



प्रत्याहारः द्विचत्वारिंशत् भवन्ति-प्रत्याहार 42 होते हैं।

1. अक् अ, इ, उ, ऋ, लृ
2. अच्- अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ
3. अट्- अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ, ह, य, व, र
4. अण् अ, इ, उ
5. अण्- अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ, ह, य्, व्, र, ल्
6. अम्- अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ, ह, य्, व्, र, ल, ज्, ड, ण, न्, म

अइउण्
ऋलृक्
एओङ्
ऐऔर्ष
हयवर्





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

7. अल्- सभी स्वर एवं व्यंजन

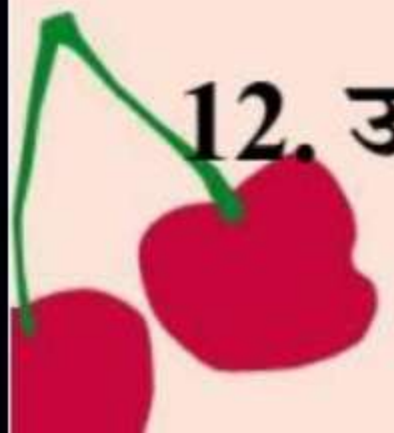
8. अश्- अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ, ह, य्, व्, र, ल्, ज, म्, ङ, न
झ, भू, घ, द्, धू, ज्, ब्, ग्, इ, द

9. इक्- इ, उ, ऋ, लृ

10. इच्- इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ

11. इण्- इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ, ह, य्, व्, इ, ल्

12. उक्- उ, ऋ, लृ



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

13. एङ्- ए, ओ

14. एच्- ए, ओ, ऐ, औ

15. ऐच्- ऐ, औ

16. खय्- खू, फ्, छ, व्, थ्, च्, ट्, त्, क, प

17. खर्- ख्, फ्, छ, ठ्, थ्, च्, ट्, त्, क, प्, श्, प्, स

18. डम् ड, ण, न्

19. चय् च्, ट्, त्, क, प्

नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

20. चट् च्, ट्, त्, क, प्, श्, प्, स्

21. छव् छ, ठ्, थ्, च्, ट्, त्

22. जश् ज्, ब्, म्, इ, द्

23. झय् झू, भू, घ्, द, ध्, ज्, ब्, ग, इ, ५, ख, फ, छ, व्, थ्, च्, द, त्, क,
प्

24. झर् झू, भू, घ्, द, धू, ज्, बू, ग, इ, दू, ख, फ्, छ, व्, थ्, च्, टू, त्, क,
प, श, प्, स्



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

25. झलझ, भू, घ, द, धू, ज्, ब, ग, इ, द, ख, फ्, छ, उ, थू, च, द, तू, क,

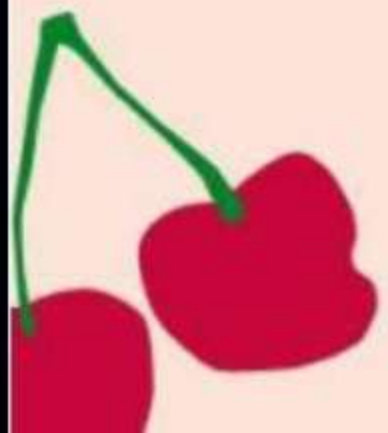
प, श, प्, स्, ह

26. झश् झू, भ्, घ, द, ध, ज्, ब, ग, इ, द्

27. झप् झू, भू, घ, द, ध्

28. बश् ब्, ग्, इ, द

29. भप् भ्, घ, द, ध्



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

30. मय् म्, डः ण, न्, झ, भू, घ, द, ध, ज, ब्, ग, इ, दू, ख, फ, छ, उ, थ,
च, टू, तू, क्, प्

31. यज् य्, व्, र्, ल्, ज, म्, य्, व्, र, ल्, ज, म्, ड, ण, नू, झ, भ्

32. यण् य्, व्, इ, ल.

33. यम्य्, व्, र, ल, ज, म्, ड, ण, न्

34. यय्य्, व्, र, ल, ज्, म्, ड, ण, न्, झ, भु, घ, द, ध, ज, ब्, ग्, इ, द, ख,
फ, छ, व्, थे, च, टू, तू, क्, प्



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

35. यर् ह को छोड़कर सभी व्यंजन
36. रल् य् तथा व् को छोड़कर सभी व्यंजन
37. वल् य् को छोड़कर सभी व्यंजन
38. वश् व्, र, ल, ज्, म, ङ, ण, न, झ. ५. घ. द. ६. ज. ब. ग. ड. द
39. शर्- श्, प्. स्
40. शल्- श्, प, स्, ह
41. हल्- सभी व्यंजन

नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

42. हश्-



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





उत्पत्ति की कथा:

- महर्षि पाणिनि ने संस्कृत व्याकरण के ज्ञान के लिए भगवान शिव की तपस्या की।
- शिव ने प्रसन्न होकर चौदह बार डमरू बजाया, जिससे चौदह सूत्र प्रकट हुए।
- इन सूत्रों को माहेश्वरसूत्र कहा जाता है।





2. सूत्रों का उद्देश्य:

- ये सूत्र व्याकरण में अण् आदि सज्जाओं की सिद्धि के लिए उपयोगी हैं।
- इनका उपयोग लाघव (संक्षिप्ति) के दृष्टिकोण से किया गया है।

इको यणचि

प्रि.

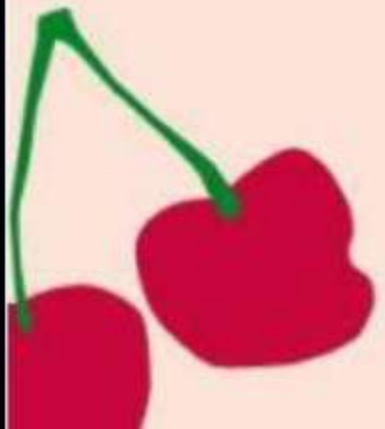
उत्तर प्रदेश
उ.प्र.
UP

इक + अच = यण
इ उ त्रैल्ल (स्वर) = य व र ल



3. संरचना:

- माहेश्वरसूत्र वर्णसमाम्नाय (वर्णमाला) का एक विशेष रूप हैं।
- वर्णसमाम्नाय के इन चौदह सूत्रों का निर्माण आदिरन्त्येन सहेता सूत्र से किया गया।
- इनमें अंतिम वर्णों को इट्सज्जक (इत्सज्जक) माना जाता है।





4. प्रत्याहार की परिभाषा:

- प्रत्याहार का अर्थ: वर्णों को संक्षेप में प्रस्तुत करना।





REET 2025 L-1&2

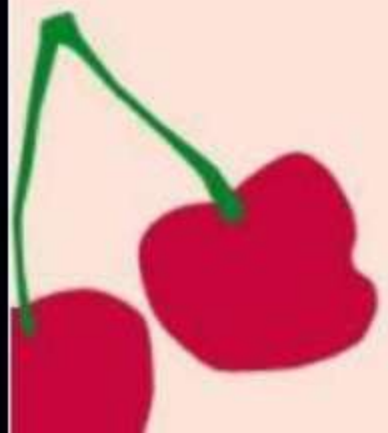


संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

1. अन्तिम वर्णों की भूमिका (इट्सज्जक):

- चौदह माहेश्वरसूत्रों के अन्त में स्थित ण्, क्, ड् आदि वर्ण इत्सज्जक माने गए हैं।
- ये इत्सज्जक वर्ण प्रत्याहार निर्माण में सहायक हैं।



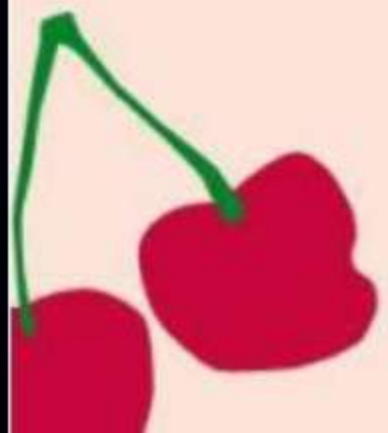
नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





2. अकार का स्वरूपः

- माहेश्वरसूत्रों के भीतर ह आदि व्यञ्जनो में स्थित अकार केवल उच्चारण के लिए रखा गया है।
- **उदाहरणः** क = क्+अ, क्योंकि स्वर के बिना व्यञ्जन का उच्चारण संभव नहीं।
- लण् सूत्र का अँकार केवल उच्चारणार्थ नहीं, बल्कि इट्सञ्जक है।

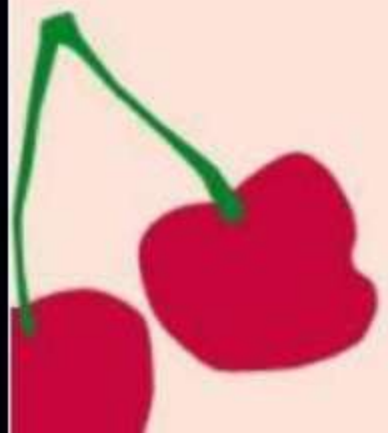




3. प्रत्याहार निर्माणः

३२० वपरः लण् = व

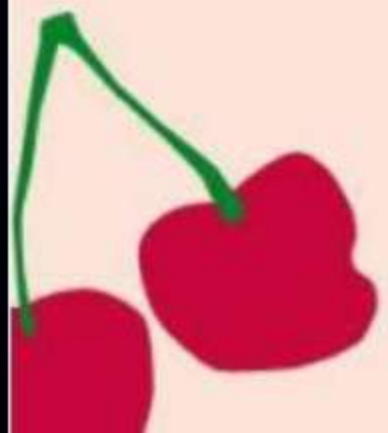
- प्रत्याहार निर्माण का उल्लेख उरप्परः सूत्र में किया गया है।
- चौदह माहेश्वरसूत्रों में 15 इट्सञ्जक वर्ण हैंः
- 14 अन्तिम हल वर्ण (हर सूत्र का अन्तिम वर्ण)।
- लण् सूत्र का अच् वर्ण (अकार)।





4. अण् और इण् प्रत्याहार का सन्दर्भः

- अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः सूत्र के अनुसारः
- लण् के ण् से अण् प्रत्याहार बनता है।
- अन्य सूत्रों में अ इ उण् क का ण् अण् प्रत्याहार हेतु प्रयुक्त होता है।
- इण् प्रत्याहार लण् के ण् से ही बनता है।





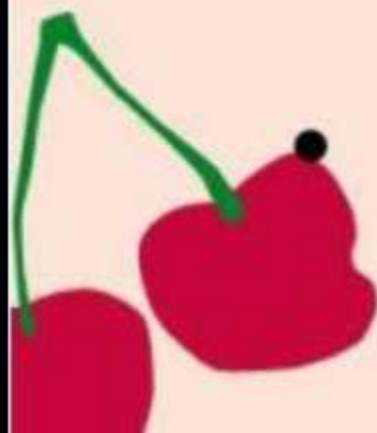
5. वर्णों के उपयोग का उद्देश्य:

- माहेश्वरसूत्रों में हर वर्ण का एक बार उपयोग किया गया, लेकिन:
- ण् का दो बार (अ इ उण्, लण्)।
- ह का दो बार (ह यवर ट् और हल्)।
- ह के दोहरे उपयोग का उद्देश्य:
- अव् अश्, हश् और इण् प्रत्याहार में ग्रहण।
- वल्, रल्, झल् और शल् प्रत्याहार में ग्रहण।

अ इ उण्
लण्

ह यवर ट्

हल्





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

6. अयोगवाह वर्णः

- माहेश्वरसूत्रों में उल्लिखित वर्णों के अतिरिक्त जो वर्ण मिलते हैं, वे अयोगवाह कहलाते हैं।



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा

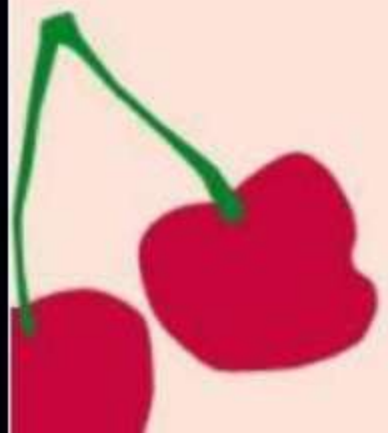




नास्ति वर्णसमाम्नाये योगो येषां ते अयोगाः।

1. अयोगवाह की परिभाषा:

- अयोगवाह वे वर्ण हैं, जिनका माहेश्वर सूत्रों में योग (प्रत्याहार) नहीं होता, फिर भी ये व्यवहार में प्रयुक्त होते हैं।





2. अयोगवाह के प्रकार (5):

- अनुस्वार (ः) ✓
- विसर्ग (:) ✓
- जिह्वामूलीय (कख) ✓
- उपध्मानीय (पफ) ✓
- यथा: यम (कुं, खूं, गुं, घूं) ✓

ः

पांठ

रामः

क ख

प फ





3. संस्कृत में वर्णों की संख्या:

पाणिनीय शिक्षा

- संस्कृत वाङ्मय में वर्णों की संख्या 63 या 64 मानी गई है।
- 64 की गणना में सभी अयोगवाह शामिल किए जाते हैं।
- सामान्यतः वर्णमाला में 63 वर्ण होते हैं।

स्वर - 22: (अ, आ, आ३, इ, ई, ई३, उ, ऊ, ऊ३, ऋ, ऋ३, लृ, लृ३, ए, ए३, ओ, ओ३, ऐ, ऐ३, औ, औ३) प्लुत लृ३ को न मानने पर स्वर 21 होंगे।





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

स्पर्श - 25 (क ख ग घ ङ । च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण । त थ द ध न ।
प फ ब भ म)

यादि - 08: (य व र ल श ष स ह)

यम - 04 : (कुं खु गुं घुं)

अनुस्वार - 01: (ँ)

विसर्ग - 01: (ः)

जिह्वामूलीय - 01 : (क ख)

नमस्ते मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

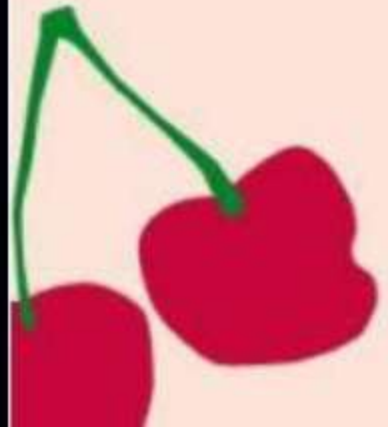
कम्प्लीट तैयारी

उपध्मानीय - 01: (प फ)

दुः स्पृष्टः 01 : (ल्)

कुल - 64

63



नमस्ते मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

त्रिषष्टिः चतुः षष्टिर्वा वर्णाः शम्भुमते मताः ।

प्राकृते संस्कृते चापि स्वयं प्रोक्ताः स्वयंभुवा ॥

स्वरा विंशतिरेकश्च स्पर्शाः पञ्चविंशतिः ।

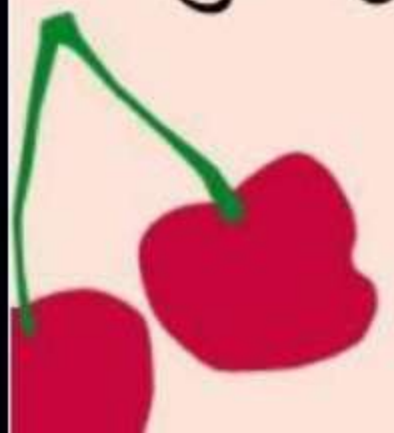
यादयश्च स्मृता ह्यष्टौ चत्वारश्च यमाः स्मृताः ॥

अनुस्वारो विसर्गश्च..... क पौ चापि पराश्रितौ ।

दुःस्पृष्टश्च चेति विज्ञेय लृकारः प्लुत एव च ॥

- पाणिनीय शिक्षा लक्ष्य

नमस्ते मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

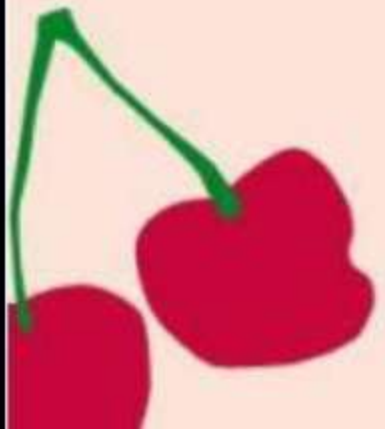
1. माहेश्वरसूत्राणां प्रवर्तको वर्तते-

(1) शिवः

(2) पाणिनिः

(3) पतंजलिः

(4) ब्रह्मा



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





2. माहेश्वरसूत्राणि कति सन्ति-

(1) दश

(2) त्रयोदश

(3) चतुर्दश

(4) द्वादश





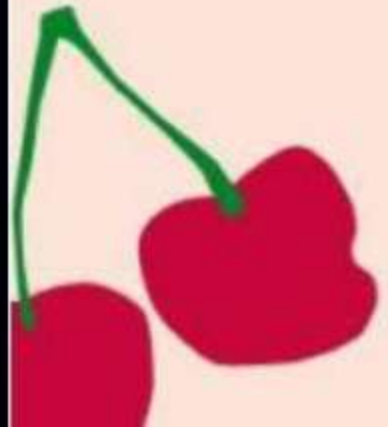
3. हल् इत्यस्य प्रत्याहारस्य तात्पर्यं वर्तते-

(1) कृषियन्त्रम्

(2) व्यञ्जनानि

(3) स्वराः

(4) समाधानम्





4. अक् इत्यस्य प्रत्याहारस्य कति वर्णाः-

(1) 5

(2) 10

(3) 7

(4) 9

अ इ उ ए
ऋ ॠ
ऌ ॡ





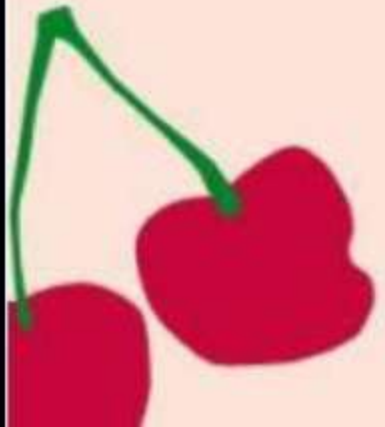
5. माहेश्वरसूत्राणां काऽपरा सञ्ज्ञा वर्तते-

(1) प्रत्याहारसूत्राणि

(2) पाणिनिसूत्राणि

(3) पतंजलिसूत्राणि

(4) पदसञ्ज्ञासूत्राणि





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

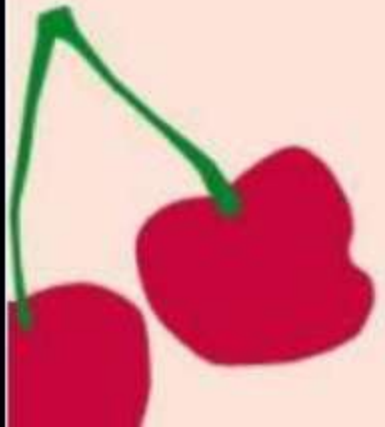
6. प्रत्याहारसञ्जाविधायकसूत्रं वर्तते-

(1) अदर्शनं लोपः

(2) आदिरन्त्येन सहेता

(3) हलन्त्यम्

(4) उच्चैरुदात्तः



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

7. हल् प्रत्याहारस्य तात्पर्यं वर्तते

(1) कृषियन्त्रम्

(2) व्यञ्जनानि

(3) स्वराः

(4) समाधानम्



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

8. अक्षरान्धः इत्यत्र अक्षप्रत्याहारस्य तात्पर्यं वर्तते-

(1) अक्षरः

(2) व्यञ्जनानि

(3) स्वरः

(4) ध्वनिः



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2

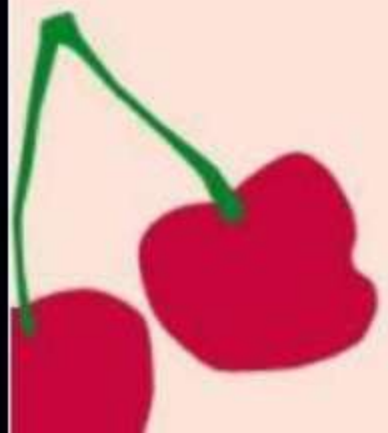


संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

9. मुखसहितनासिकया उच्चार्यमाणो वर्षो वर्तते-

- (1) अनुस्वारः
- (2) अनुनासिकः
- (3) स्पर्शः
- (4) स्वारः



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

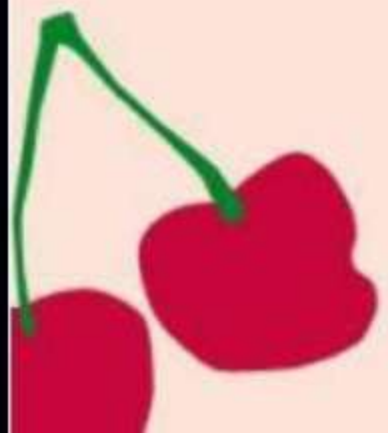
10. माहेश्वरसूत्रैः कतिः प्रत्याहारा भवन्ति ?

(1) 44

(2) 41

(3) 21

(4) 24



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

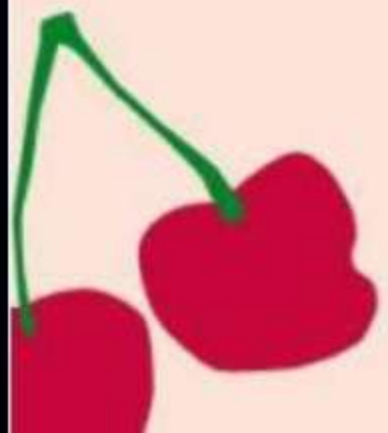
11. पाणिनिसूत्रेषु माहेश्वरसूत्राणां कति प्रत्याहारा उल्लिखिताः?

(1) 21

(2) 42

(3) 44

(4) 46



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

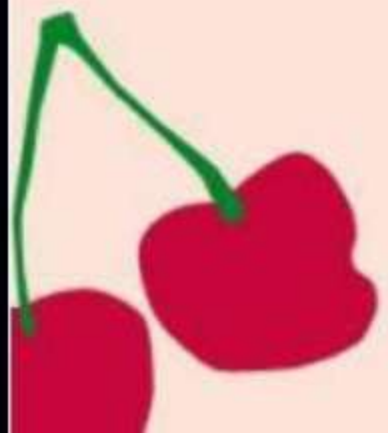
12. संस्कृत वाङ्मये कति वर्णाः प्रयुज्यन्ते ?

(1) 42

(2) 52

(3) 48

(4) 64



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

13. यमवर्णाः कति सन्ति ?

(1) 5

(2) 4

(3) 8

(4) 6



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

कम्प्लीट तैयारी

14. इण् प्रत्याहारे वर्णा भवन्ति ?

(1) 8

(2) 5

~~(3) 2~~

(4) 11

अ इ उ ए



नमस्ते, मैं हूँ वर्षा





15. महेश्वरसूत्रेषु कति इत्संज्ञक वर्णाः सन्ति ?

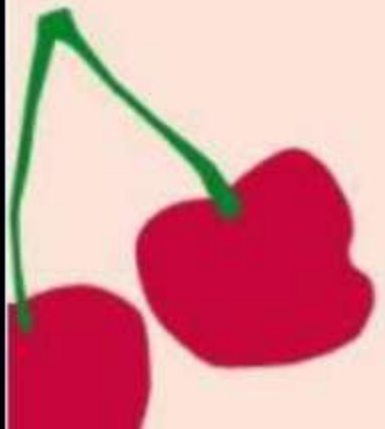
(1) चतुर्दश

(2) पञ्चदश

(3) त्रयोदश

(4) दश

अं = अ + (अं) + ण





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

नियम 2 हकारादिष्वकार उच्चारणार्थः ॥

अर्थ (हयवरट् सूत्र से प्रारम्भ) हकार (ह) आदि में विद्यमान अकार (मात्र) उच्चारण के लिए है।

व्याख्या 'हकारादिषु' सप्तमी विभक्ति बहुवचन, 'उच्चारणार्थः' प्रथमा विभक्ति एकवचन। माहेश्वर सूत्रों में जितने वर्ण हैं, उनको दो वर्गों में विभाजित किया गया है। वे हैं स्वर (अचच्) एवं व्यंजन (हल)। 'रट्+लण्' यहाँ द एवं ण की इत्संज्ञा होकर लोप होगा तो 'र+ल्' यह स्थिति बनेगी।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

अब 'र' में अ उच्चारणार्थ ही है तो निकल जायेगा। तब 'र्' यह स्थिति होगी। पुनः 'लू' में भी 'अ' इत् संज्ञक है तो हम 'र' से 'अ' तक के वर्णों को ग्रहण करेंगे। 'र' से अ को मिलाने पर 'र्' प्रत्याहार बनेगा – र ल् अ = र्। अब 'र' प्रत्याहार में दो वर्ण होंगे 'र' और 'ल'। इसका प्रयोजन 'उरण रपरः आदि सन्धि स्थलों में चरितार्थ होता है।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

नियम 3 लणमध्ये त्वित्संज्ञकः ।

अर्थ - (लण) (छठे सूत्र) के मध्य में स्थित अकार का है।

व्याख्या 'लण' प्रथमा विभक्ति एकवचन, 'मध्ये' सप्तमी विभक्ति एकवचन, 'इत्संज्ञकः' प्रथमा विभक्ति एकवचन। ऊपर बताया गया है कि चौदह माहेश्वर सूत्रों में हकार आदि में लगे हुए अकार केवल उच्चारण के लिए हैं क्योंकि बिना स्वर की सहायता से ह् य् वर् आदि शुद्ध व्यंजनों का उच्चारण सम्भव नहीं है।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

अब यहाँ एक नयी बात सामने आ रही है 'लण' सूत्र में विद्यमान 'अ' (लु+अ+ण) के उच्चारण के लिए तो है ही साथ-साथ एक प्रयोजन और भी है कि यह इत् संज्ञक भी है। अर्थात् जैसे- चौदह माहेश्वर सूत्रों के अन्त्य वर्णों (ण क् आदि) की इत् संज्ञा होती है, वैसे ही 'लण' सूत्र में विद्यमान अकार भी इत् संज्ञक है। स्पष्ट है कि ल् के साथ जुड़े हुए 'अ' के दो रूप हैं। यह उच्चारणार्थक होने के साथ-साथ इत्-संज्ञक भी है। इसकी इत् संज्ञा करने का प्रयोजन 'र्' प्रत्याहार की सिद्धि करना है। जैसे - हम 'र्' प्रत्याहार की सिद्धि करना चाहते हैं तो हमें 'हयवरट्' के सूत्र के र् से लेकर लण सूत्र के 'अ' तक के वर्णों को ग्रहण करना होगा।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

वृत्ति - उपदेशोऽन्त्यं हल् इत् स्यात्। उपदेश आद्योच्चारणम्। सूत्रेष्वदृष्टं पदं सूत्रान्तरादनुवर्तनीयं सर्वत्र।

अर्थ उपदेश में वर्तमान अन्त्य हल् (व्यंजन) इत् संज्ञक हो। आद्यो (शिव, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि) का उच्चारण या कथन ही उपदेश है अथवा धातु आदि के आद्योच्चारण को उपदेश कहते हैं। सूत्रों में (जिन पदों की आवश्यकता हो किन्तु उपस्थित न हो) जो पद न हों (किन्तु वृत्ति में दिखाई दें) उन्हें पिछले या कहीं-कहीं अगले) सूत्र से ग्रहण कर लेना चाहिए।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

व्याख्या 'उपदेशे' सप्तमी विभक्ति एकवचन, 'अन्त्यम्' प्रथमा विभक्ति एकवचन, 'हल्' प्रथमा विभक्ति एकवचन, 'इत्' प्रथमा विभक्ति एकवचन। इस व्याकरणशास्त्र के प्रथम कर्ता आचार्य पाणिनि हैं। इन्होंने 'अष्टाध्यायी' नामक जगत् प्रसिद्ध ग्रन्थ की रचना की। इस ग्रन्थ में आठ अध्याय हैं और प्रत्येक अध्याय में चार-चार पाद हैं। इस प्रकार सम्पूर्ण अष्टाध्यायी में $(8 \times 4 = 32)$ बत्तीस पाद हैं। प्रत्येक पाद में सूत्रों की संख्या भिन्न-भिन्न है। इसे निम्न तालिका से समझा जा सकता है,

**REET 2025 L-1&2****संस्कृत****वंदन बैच**

यथा-

पाणिनीः अध्यायः = 8 X 4 = 32 पाद
अध्याय पाद

अध्यायनाम	प्रथम पाद	द्वितीय पाद	तृतीय पाद	चतुर्थ पाद	सम्पूर्ण संख्या
प्रथमाध्याय	74	73	93	109	349
द्वितीयाध्याय	71	38	73	85	267
तृतीयाध्याय	150	188	176	117	631
चतुर्थाध्याय	176	144	166	144	630
पंचमाध्याय	135	140	119	160	554
षष्ठाध्याय	217	198	138	175	728



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

सप्तमाध्याय	103	118	119	97	437
अष्टमाध्याय	74	108	119	68	369
सम्पूर्ण अष्टाध्यायी की सूत्र संख्या					3965

लगभग 4000 सूत्र



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

इनमें से बयालीस (42) प्रत्याहार तो आचार्य पाणिनि ने स्वयं सूत्रों में व्यवहृत किये हैं। शेष दो में से एक 'अम्' उणादि सूत्रों का एवं दूसरा 'चय' वार्तिकपाठ का है। प्रत्याहारों के अन्तर्गत इत् संज्ञक वर्णों का ग्रहण नहीं किया जाता है "प्रत्याहारेषु इतां ग्रहणं न।" इस प्रकार चौदह माहेश्वर सूत्रों की सहायता से किसी भी सूत्र से कोई वर्ण ग्रहण करके आगे के इत् संज्ञक वर्ण के साथ मिलाकर प्रत्याहार बना सकते हैं। अब प्रत्याहारगत वर्णों का ज्ञान करने के लिए निम्नलिखित बातों को कण्ठस्थ कर लें-



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

- क) वर्गों के पांचवें वर्ण अमडणनम् सूत्र में हैं।
- ख) वर्गों के चौथे वर्ण झभज्, घढधष सूत्र में हैं।
- ग) वर्गों के तृतीय वर्ण जबगडदश सूत्र में हैं।
- घ) वर्गों के द्वितीय वर्ण खफछठथ तक हैं।
- ङ) वर्गों के प्रथम वर्ण चटतप्, कपय् सूत्रों में हैं।
- च) ऊष्म वर्ण शषसर्, हल् सूत्रों में हैं।
- छ) अन्तःस्थ वर्ण यवरट्, लण सूत्रों में हैं।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

ज) स्वर वर्ण अड़उण ऋलृक् एओङ् ऐऔच सूत्रों में हैं।

अब शास्त्रोपयोगी समस्त प्रत्याहारों एवं उनकी सूत्रगत उपयोगिता का विवरण निम्नवत् हैं।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

प्रत्याहार	संज्ञी वर्ण	उदाहरण, सूत्र संख्या
1. अण्	अ, इ, उ	उरण रपर: (29)
2. अक्	अ, इ, उ, ऋ, लृ	अकः सवर्णे दीर्घः (42)
3. इक्	इ, उ, ऋ, लृ	इको यणचि (15)
4. उक्	उ, ऋ, लृ	उगितश्च (1250)
5. एङ्	ए, ओ	एङः पदान्तादति (43)
6. अच्	सम्पूर्ण स्वर	इको यणचि (15)
7. इच्	'अ' को छोड़कर सभी स्वर	नाद् इचि (127)



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

प्रत्याहार	संज्ञी वर्ण	उदाहरण, सूत्र संख्या
8. एच्	ए. ओ. ऐ, औ	एचोऽयवायावः (22)
9. ऐच्	ऐ, औ	वृद्धिराद् ऐच् (32)
10. अट्	सभी स्वर, टू. य्. व्. र	अट्कुप्वानुम्व्यवायेऽपि (130)
11. अण्	सभी स्वर, ट्, अन्तःस्थ वर्ण	अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः (11)
12. इण्	'अ' को छोड़कर सब स्वर, हु, अन्तःस्थ	इणः षीध्वंलुङ्लिट् धोऽङ्गात् (514)
13. यण्	अन्तःस्थ वर्ण	इको यणचि (15)

**REET 2025 L-1&2****संस्कृत****वंदन बैच**

प्रत्याहार	संज्ञी वर्ण	उदाहरण, सूत्र संख्या
14. अम्	स्वर, ह्, अन्तःस्थ, वर्ग- पञ्चम	पुमः खयि अम्परे (94)
15. यम्	अन्तःस्थ, वर्ग-पञ्चम	हलो यमां यमि लोपः (1000)
16. जम्	वर्ग-पञ्चम	मन्ताडः (उणादि 112)
17. ड्य्	ड. ण्. न्	डमो ह्रस्वादचि डमुण् नित्यम् (89)
18. यम्	अन्तःस्थः वर्ग-पञ्चम, झ. भू.	अतो दीर्घा यत्रि (390)



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

प्रत्याहार	संज्ञी वर्ण	उदाहरण, सूत्र संख्या
19. झष्	वर्ग-चतुर्थ	एकाचो वशो भष् झषन्तस्य स्थवो: (253)
20. भष्	'भ को छोड़कर वर्ग-चतुर्थ	एकचो वशो भष् झष. (253)
21. अश्	स्वर; हु; अन्तःस्थः वर्गों के पञ्चम, चतुर्थ, तृतीय वर्ण	भोभगोअघो अपूर्वस्य योऽशि (108)
22. हश्	ह; अन्तःस्थ, वर्गों के पञ्चम, चतुर्थ, तृतीय	हशि च (107)



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

प्रत्याहार	संज्ञी वर्ण	उदाहरण, सूत्र संख्या
23. वश्	व्, र, ल, वर्गों के पञ्चम, चतुर्थ, तृतीय	नेड्वशि कृति (800)
24. जश्	वर्ग-तृतीय	झलां जशोऽन्ते (67)
25. झश्	वर्गों के चतुर्थ एवं तृतीय वर्ण	झलां जश् झशि (19)
26. बश्	ब. ग. ड्. द	एकाचो बशो भष्. (253)
27. छव्	छ, ठू. थ्. च्. टू. त्	नश्छवि + अप्रशान् (95)



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

प्रत्याहार	संज्ञी वर्ण	उदाहरण, सूत्र संख्या
28. यय्	अन्तःस्थः सब वर्ग	अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः (97)
29. मय्	अ को छोड़कर सब वर्ग	मज् उजो वो वा (58)
30. झय्	वर्गों के 4, 3, 2, 1 वर्ण	झयो होऽन्यतरस्याम् (75)
31. खय्	वर्गों के प्रथम एवं द्वितीय वर्ण	पुनः खयि + अम्परे (94)
32. चय्	वर्गों के प्रथम वर्ण	चयो द्वितीयाः शरि पौ. (वा. 14)



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

प्रत्याहार	संज्ञी वर्ण	उदाहरण, सूत्र संख्या
33. यर्	अन्तःस्थ; सभी वर्ग; श. ष, स्	यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा (68)
34. झर्	वर्गों के 4, 3, 2, 1; श, ष, स्	झरो झरि सवर्णे (73)
35. खर्	वर्गों के 1, 2; श, ष, स्	खरि च (74)
36. चर्	वर्गों के 1; श, ष, स्	अभ्यासे चर् च (399)
37. शर्	शु, ष, स्	ङणोः कुकुटुक् शरि (86)
38. अल्	सभी स्वर; सभी व्यंजन	अलोऽन्त्यस्य (21)



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

प्रत्याहार	संज्ञी वर्ण	उदाहरण, सूत्र संख्या
39. हल्	सभी व्यंजन	हलोऽनन्तराः संयोगः (13)
40. वल्	य् को छोड़कर सब व्यंजन	लोपो व्योर्वलि (429)
41. रल्	य्. व् को छोड़कर सब व्यंजन	रलो व्युपधाद्धलादेः संश्च (887)
42. झल्	वर्गों के 4, 3, 2, 1; ऊष्म वर्ण	झलो झलि (478)
43. शल्	ऊष्म वर्ण	शल इगुपधादनिटः क्सः (590)



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

प्रत्याहार	संज्ञी वर्ण	उदाहरण, सूत्र संख्या
44. र	र. ल् वर्ण	उरण रपर: (29)